महानगर की साफ-सफाई, अवैध बूचड़खानों तथा जनता से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर आन्दोलन

गोरखपुर, 19 मई। नगर निगम जनता के प्रति अपनी कार्यप्रणाली को सुधारे और जनता के प्रति जवाहदेह बनें। लोकतंत्र में अगर जनभावनाओं का निरादर हुआ तो ऐसे शासन-प्रशासन की दुर्गति तय हैं।

उक्त चेतावनी गोरक्षपीठाधीश्वर एवं गोरखपुर के सांसद महन्त योगी आदित्यनाथ जी ने भारतीय जनता पार्टी, हिन्दु युवा वाहिनी, व्यापार मण्डल तथा विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों की ओर से महानगर की साफ-सफाई, अवैध बूचड़खानों तथा जनता से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं की मांग को लेकर आयोजित धरना-प्रदर्शन को सम्बोधित करते हुए नगर निगम प्रशासन को दी। उन्होंने कहा कि नगर विकास मंत्रालय की भ्रष्ट कार्यप्रणाली का खामियाजा गोरखपुर महानगर और प्रदेश की जनता को भुगतना पड़ रहा है। नगर निगम, विकास प्राधिकरण तथा आवास विकास परिषद् नगर विकास मंत्रालय के अधीन है। तीनों लूटखसोट, अराजकता और भ्रष्टाचार के अड्डे बने गये है। जब गोरखपुर के ठेके-पट्टे और साफ-सफाई की व्यवस्था लखनऊ से तय होगी तो स्वाभाविक रूप से व्यवस्था चरमरा जायेगी। लेकिन इस अराजकता के खिलाफ आवाज उठाने की जिम्मेदारी नगर निगम के चुने गये जनप्रतिनिधियों की है। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि पूरा महानगर गन्दगी में तब्दील है, हर चौराहों पर मुर्गे-बकरें और निरीह पशुओं को कांटा जा रहा है। उससे होने वाले प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य के खिलाफ नगर निगम प्रशासन पूरी तरह मौन है। नगर निगम के जिम्मेदार प्रतिनिधियों ने अपने कर्त्तव्यों का अच्छी तरह से निर्वहन किया होता तो महानगर की यह दुर्गति नही होती। महानगर में जगह-जगह गन्दगी के ढेर, हर चौराहे पर अवैध बूचड़ खाने, उजरी सड़के, कूडे से भरी नालियां तथा टूटी नालिया आज महानगर की स्थिति को दर्शाता है। योगी जी ने नगर निगम के अधिकारियों को चेताया की वह पार्टी बनकर कार्य करना बन्द करें। अगर उन्होंने पार्टी बनकर कार्य किया तो इनकी दुर्गति तय है। योगी जी ने आश्चर्य व्यक्त किया कि एक ओर महानगर में सफाई के नाम पर 2500 सफाईकर्मी कागजों में है लेकिन मात्र 450-500 ही काम कर रहे है शेष के नाम पर फर्जी भुगतान हो रहा है और पूरा महानगर गन्दगी में तब्दील हो गया है। पथ प्रकाश के नाम पर करोड़ो रूपयें का घोटाला हुआ है। नगर निगम प्रशासन अब नगर निगम की जमीनों की सुरक्षा नही कर पा रहा है। यह सब नगर-निगम के कुछ अधिकारियों और कुछ जनप्रतिनिधियों की मिलीभगत से हो रहा है। महेसरा ताल में हो रहा अवैध कब्जा भ्रष्टाचार का जीताजागता उदाहरण है।

धरने को वरिष्ठ व्यापारी नेता सीताराम जायसवाल ने सम्बोधित करते हुए कहा कि नगर निगम के चुने हुए जनप्रतिनिधि के कारण यह दुर्गुति फैली है। रिलायन्स ने अपने टावर तो लगाये है लेकिन पार्को का सुन्दरीकरण नही किया है।

व्यापारी नेता जवाहर लाल कसौधन ने कहा कि नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा हो गया है। छुट्टा पशुओं से प्रतिदिन व्यापारियों की हत्या हो रहा है। साड़ो के आतंक में व्यापारी और नागरिक को रहना पड़ रहा है। प्रत्येक मोहल्लों में 20-25 कुत्तें कब किसकों काट ले कहा नही जा सकता।

कार्यक्रम को व्यापारी नेता रमेश गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि शीतल पाण्डेय, रमेश सिंह, नगर निगम के पार्षद वीर सिंह सोनकर, पार्षद रणंजय सिंह जूगनू, सरताज प्रसाद, राधेश्याम राव, ऋषिमोहन वर्मा, पार्षद जितेन्द्र सैनी, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, पार्षद मन्तालाल यादव, पार्षद सौरभ विश्वकर्मा, पार्षद देवेन्द्र गौड़ पिण्टू, संजीव सिंह सोनू, गिरजेश पाल, भोला अग्रहरि, बृजेश सिंह छोटू, संजीव सिंह सोनू, हरि प्रकाश मिश्र, सत्य प्रकाश सिंह मुन्ना आदि ने सम्बोधित किया। अन्त में भारतीय जनता पार्टी के महानगर अध्यक्ष डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने राज्यपाल को सम्बोधित 'ज्ञापन' पढ़ा और मांग रखी की

1. नगर निगम के निर्माण कार्यो की उच्च स्तरीय जांच करवायी जाय।
2. महानगर के अन्दर साफ-सफाई की व्यवस्था दुरूस्त किया जाय तथा सफाई के नाम पर हो रहे घोटालें के दोषियों के खिलाफ कार्यवाहीं किया जाय।
3. पथ-प्रकाश के नाम पर हुए करोड़ो घोटाले की जांच की जाय और महानगर की पथ-प्रकाश की व्यवस्था को दुरूस्त किया जाय।
4. महानगर में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित किया जाय।
5. महानगर के अन्दर अवारा पशुओं गाय, साड़, कुत्ता, गधा आदि इन सभी को महानगर से बाहर किया जाय।
6. सालिड वेस्ट मैनेजमेन्ट परियोजना को समयसीमा के अन्दर पूरा किया जाय।
7. महानगर की जल निकासी की व्यवस्था को दुरूस्त किया जाय।

ज्ञापन को लेने के लिए नगर आयुक्त तथा जिला प्रशासन की ओर सिटी मजिस्ट्रेट धरने स्थल पर उपस्थित हुए। नगर आयुक्त ने योगी जी तथा भारतीय जनता पार्टी तथा अन्य को आश्वस्त किया कि 15 दिनों के अन्दर महानगर की साफ-सफाई की व्यवस्था दुरूस्त कर दी जायेगी। कुड़ा निस्तारण व्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ जनता की बुनियादी सुविधाओं को ध्यान में रखा जायेगा। कुड़ा को महानगर के बाहर रखा फेंका जायेगा। अवैध बूचड़खानों के बारे में पूरी संवेदनशीलता से कार्य करेगा तथा महानगर के प्रत्येक वार्डो में साफ-सफाई की व्यवस्था बिना भेदभाव से लागू किया जायेगा।

धरने में कालीबाड़ी के महन्त रवीन्द्रदास जी, डॉ0 सी0एम0सिन्हा, राकेश सिंह पहलवान, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, सुनील सिंह, जितेन्द्र सिंह, सुजीत कुमार, अमरनाथ यादव, हरिनारायण धर दूबे, पार्षद रविन्द्र प्रताप सिंह राजू, रामभुआल कुशवाहा, राजेश सोनकर, पवन त्रिपाठी, श्रीप्रकाश सिंह अनिल, मदन गुप्ता, पार्षद धर्मदेव चौहान, श्रवण पटेल, सुजीत कुमार, पूर्व पार्षद अनिल सिंह, शमीम अहमद, दयानन्द शर्मा, रामभवन निषाद, सुनील साहनी, ओम प्रकाश शर्मा, राहुल श्रीवास्तव, विश्वजितांशु आशू, राजेश गुप्ता, अनूप किशोर अग्रवाल, रूद्र त्यागी, प्रदीप शुक्ला, आशीष गुप्ता, राधेश्याम श्रीवास्तव, निर्माला द्विवेदी, रोहिणी श्रीवास्तव, जी0के0द्विवेदी, वीरेन्द्र सिंह एडवोकेट, शत्रुध्न मिश्रा, पार्षद मनु जायसवाल, राजीव रंजन अग्रवाल, सत्य नारायण पासवान, श्रीचन्द्र बंसल, गोपाल जायसवाल, सत्येन्द्र सिन्हा, संजय श्रीवास्तव, धर्मपाल मिश्र, राजेश जायसवाल, चन्दू पासवान, डॉ0 शशांक ओझा सहित हजारों कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

नगर निगम में भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं: योगी

नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार के विरोध में आयोजित चेतावनी रैली को संबोधित करते सांसद महंत योगी आदित्यनाथ। जागरण

- सत्ता के पिछलग्गू न बनें अधिकारी
- बंद हो फालतू भाषणबाजी
- यहां योजनाओं की हो रही भ्रूण हत्या, दूसरे जिलों में कैसे गया गरीबों का कंबल

ये रही मांगें

- निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच हो
- सफाई के नाम पर हो रहे घोटाले के दोषियों के खिलाफ कार्रवाई हो
- पथ-प्रकाश में हुए करोड़ों के घोटाले की जांच हो
- महानगर में शुद्ध पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित हो
- आवारा पशु महानगर से बाहर किए जाएं
- सालिड वेस्ट मैनेजमेंट परियोजना समय सीमा के अंदर पूरी की जाए
- जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त की जाए

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : नगर निगम में भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर सदर सांसद महंत योगी आदित्यनाथ जमकर बरसे। मंगलवार को नगर निगम परिसर में धरने पर बैठे सदर सांसद ने अधिकारियों के साथ महापौर के खिलाफ भड़ास निकाली। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार की हद हो गई है, पानी सिर से ऊपर चढ़ गया है अब और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

सांसद ने कहा कि नगर निगम की कार्यप्रणाली से प्रश्न उठ रहे हैं। चौराहों, तिराहों के सुंदरीकरण की जगह कूड़ा गिराया जा रहा है। स्वास्थ्य परीक्षण के बिना सड़कों के किनारे बकरे, मुर्गे काटे जा रहे हैं। क्षेत्र को स्वाइन फ्लू, बर्ड फ्लू जैसी बीमारी की चपेट में लाने की कोशिश की जा रही है। छुट्टा पशु लोगों को घायल कर रहे हैं। सड़क पर सुरक्षित चलना मुश्किल हो गया है। मोहल्लों में कुत्तों की भरमार है। घटिया सड़कों व नालियों का निर्माण हो रहा है, आखिर अधिकारी क्या कर रहे हैं। तीन वर्ष का समय हमने दिया, अब लड़ाई सीधी होगी। जनता का पैसा लूटने का अधिकार सांसद, विधायक, मेयर, पार्षद, अधिकारी किसी को नहीं है। उन्होंने अधिकारियों को सत्ता का पिछलग्गू न बनने की नसीहत दी। योगी ने कहा कि अधोमानक निर्माण कार्य हो रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। कार्य अधोमानक हैं तो एफआइआर कराई जाए और सही है तो जनता को बताया जाए कि निर्माण सही है। यहां योजनाओं ■शेष पृष्ठ 21 पर

नगर निगम में...

की भ्रूण हत्या की जा रही है। सालिड वेस्ट मैनेजमेंट इसका उदाहरण है। पूरी परियोजना को जानबूझ कर सफल नहीं होने दिया गया। गोरखपुर के गरीबों, निराश्रितों, असहायों के लिए आया कंबल व अलाव की लकड़ी तक दूसरे जिले में भेज दिए गए। सौ करोड़ की पेयजल योजना छह वर्ष से पूरी नहीं हो पा रही है। धरने का आयोजन भारतीय जनता पार्टी, हिन्दू युवा वाहिनी, व्यापार मंडल तथा विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों द्वारा किया गया। संचालन ई. पीके मल्ल ने किया। इससे पहले व्यापारी नेता सीताराम जायसवाल, सांसद प्रतिनिधि शीतल पांडेय, रमेश सिंह, आदि ने भी वार्डों के विकास कार्यों की उपेक्षा पर नाराजगी जताई। धरने में महंत रवींद्र दास, डा. सीएम सिन्हा, राकेश सिंह पहलवान समेत अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित थे। अंत में महानगर अध्यक्ष डा. धर्मेन्द्र सिंह ने राज्यपाल को संबोधित मांगों से संबंधित ज्ञापन नगर आयुक्त व सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा।